बुद्धकाल या मौर्यपूर्व की राजनीति

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

यह राज्य निर्माण का काल था. इस समय राजनीति में मुख्य रूप से 3 महत्वपूर्ण घटनाएं हुई. जिसे बुद्ध कालीन राजनीतिक जीवन या पूर्व मौर्य काल का राजनीतिक जीवन के अंतर्गत देखा जाना आवश्यक है. ये तीन घटनाएँ थी: 16 महाजनपदों की स्थापना, 10 गणराज्य और मगध साम्राज्य का उदय|

बुद्ध कालीन राजनीति की प्रमुख विशेषता 16 महाजनपदों का उदय है. यह बड़े-बड़े राज्य थे जो काफी शक्तिशाली थे. इनकी निश्चित क्षेत्र जनसंख्या एवं संप्रभुता थी. इन महाजनपदो की संख्या 16 मिलती है. बौद्ध ग्रंथ अंगुतरनिकाय तथा जैन ग्रंथ भगवती सूत्र से इन 16 महाजनपदों की सूची प्राप्त होती है

राजनीति का एक दूसरी विशेषता गणतंत्रात्मक व्यवस्था थी. हिमालय की तराई में पूर्वी उत्तर प्रदेश से बिहार के बीच उस समय 10 गण राज्यों की सूचना मिलती है. इसमें वैशाली के लिच्छवी, मिथिला के विदेह, रामग्राम के कोलिय (बुद्ध की माता इसी गणराज्य की थी) पावा तथा कुशीनारा के मल्ल प्रमुख थे.

तत्कालीन राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता थी: मगध साम्राज्यवाद का उदय| 600 बीसी में मगध अन्य की भांति ही एक महाजनपद था, लेकिन कालक्रम में (लगभग ढाई सौ वर्ष) उसने अन्य सभी राज्यों को जीत कर विजीत कर लिया तथा एक बड़े साम्राज्य का निर्माण किया. इतिहास में इस घटना को मगध साम्राज्यवाद का उदय कहा जाता है.